>

Title: Reported projection of Jammu and Kashmir and Arunachal Pradesh as parts of China in the map released by China.

**श्री निनोंग इरिंग (अरुणाचल पूर्व) :** महोदय, मैं आपके माध्यम से आदरणीय प्रधानमंत्री जी और विदेश मंत्री जी का ध्यान एक गंभीर मामले की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर और अरूणाचल प्रदेश का नक्शा चीन के हिस्से में दिखाया है। इसको और जो हमारा स्टेपल्ड वीजा का ईश्यू है, इसको हम बहुत गंभीर रूप से ले रहे हैं। हमारे राज्य की जितनी भी जनता है, वहां के रहने वाले जो निवासी हैं, वे केंद्र सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हैं कि हम इसका खंडन करते हैं और हम चाहते हैं कि इसका एक परमानेंट सोल्यूशन किया जाये। हर बार इस मुद्दे को हमने उठाया है। प्रधानमंत्री के साथ उनकी भेंटवार्ता होती है, हमारे विदेश मंत्री वहां गए हैं। चाहे वह हमारी कांग्रेस की सरकार हो, यूपीए की सरकार हो या एनडीए की सरकार हो, यह मसला तब का है, वर्ष 1962 में जब चीन ने भारत पर आक्रमण किया था, घुसपैठ की थी और चीन अभी तक भी घुसपैठ कर रहा है। सदन के जितने भी हमारे माननीय सदस्य हैं, मैं उन सबसे अर्ज करता हूं, सभापति जी मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि सरकार इसमें, जो हमारा स्टेपल्ड वीजा का ईश्यू है, उसमें एक परमानेंट सोल्यूशन या निर्णय लें। अरूणाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की जनता खुद अपने आपको महसूस करते हैं कि हम भारतीय हैं। अरूणाचल प्रदेश के लोग अभी भी भारत के प्रति देशभक्ति की भावना रखते हैं। हमारे गृह राज्य मंत्री भी अरूणाचल प्रदेश से हैं और मैं स्वयं भी अरूणाचल प्रदेश का हूं। हम जानना चाहते हैं कि क्यों चीन इसको अपना इलाका मानता है? इसके लिए हम आदरणीय प्रधानमंत्री जी और विदेश मंत्री जी से जवाब चाहते हैं।